Dr.Babasaheb Ambedkar Marathwada University , Aurangabad

Model College

Syllabus for Credit / Semester Based

B.A – I Year

Subject – Hindi

(W.E.E.July – 2011-12)

B.A .I Year

Semester – 1

	Course Code	Subject Title	Credits	Work Load /Week Hours
व्दितीय भाषा (Second Language)	HIN 101	सामान्य हिंदी	4	4
	HIN 102	कहानी साहित्य	4	4
	HIN 103	नाटक साहित्य	4	4
Semester: - II				
व्दितीय भाषा (Second Language)	HIN104	व्यावहारिक हिंदी	4	4
ऐच्छिक हिंदी (Optional Hindi)	HIN 105	उपन्यास साहित्य	4	4
	HIN106	एकांकी साहित्य	4	4

प्रथम - सत्र

हिंदी : व्दितीय भाषा (Second Language)

Course –Code HIN -101 - सामान्य हिंदी

- उद्देश्य : -

१. हिंदी भाषा की संरचना का अध्ययन

२. लेखन - कौशल्य का विकास

- अध्ययन - अध्यापन पद्धति : -

१. व्याख्यान

२. स्वाध्याय

- पाठयांश : -

१. हिंदी भाषा : सामान्य परिचय

- हिंदी : उदभव और विकास
- हिंदी : नामकरण
- हिंदी की बोलियाँ : सामान्य परिचय

२. हिंदी शब्द - ज्ञान -

शब्दों के भेद - प्रभेद -

- स्त्रोत या इतिहास के आधारपर
- प्रयोग के आधार पर
- व्याकरणीय प्रकार्य के आधारपर
- अर्थ के आधार पर

३. हिंदी मुहावरें और लोकोक्तियाँ -

- हिंदी मुहावरें -
- मुहावरें से तात्पर्य एवं परिभाषा
- हिंदी में प्रचलित मुहावरें
- लोकोक्तियों से तात्पर्य
- हिंदी की प्रचलित लोकोक्तियाँ

४. देवनागरी लिपि : स्वरुप एवं विशेषताएँ -

- देवनागरी लिपि : नामकरण ,उद्भव एवं विकास
- देवनागरी लिपि : गुणदोष
- देवनागरी लिपि में सुधार

५ . हिंदी वर्तनी का मानक रुप -

- मानक हिंदी स्वीकृत वर्णमाला एवं अंक
- मानक वर्तनी
- अंको का मानक उच्चारण

६. अशुद्धि शोधन -

- अशुद्धि से तात्पर्य
- भाषायी अशुद्धि के कारण
- अशुद्धि के प्रकार - अव्यवस्थापरक तथा व्यवस्था परक वर्तनी परक अशुद्धियाँ

संदर्भ ग्रंथ -

- व्यावहारिक हिंदी : डॉ.माधव सोनटक्के
  छाया पब्लिशिंग हाऊस , औरंगाबाद .
- अच्छी हिंदी : आ. रामचंद्र वर्मा ,
  लोकभारती प्रकाशन , इलाहाबाद .
- व्यावहारिक हिंदी व्याकरण : हरिदेव बाहरी ,
  लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद .
- हिंदी भाषादर्श : डॉ. भगिरथ मिश्र ,
  लोकभारती प्रकाशन , इलाहाबाद .

प्रथम - सत्र

हिंदी : ऐच्छिक

Course –Code HIN 102 कहानी साहित्य

- उद्देश्य : -

१. साहित्य आस्वादन औरअभिरुचि का परिसंस्कार

२. जीवन मूल्या के प्रति आस्था

३. कथा साहित्य का अध्ययन

४ . लेखन तथा भाषण कौशल्य का विकास

- अध्ययन - अध्यापन पद्धति : -

१. व्याख्यान

२. दृक- श्रव्य साधनों का प्रयोग

३. कार्यशाला

४ . स्वाध्याय

अ) बीज पाठयांश : -

१. कथा विविधा में संकलित कहानियों का संवेदना और शिल्पगत अध्ययन

आ) अनुप्रयुक्त पाठयांश

२. कहानी : विधागत स्वरुप एवं विकास

३. कहानी : लेखन कला तथा कथन कला

४. कहानी : रुपांतरण कला

५. कहानी : अनुवाद कला

- पाठ्य पुस्तक -

कथा विविधा - संपादिका , डॉ.उर्वशी शर्मा

मलिक अॅण्ड कम्पनी २३ दरियागंज ,नई दिल्ली ०२

- संदर्भ ग्रंथ -

१. कथा विवेचन और गद्यशिल्प
रामविलास शर्मा , वाणी प्रकाशन नई दिल्ली .

२. अनुवाद कला - डॉ. भोलानाथ तिवारी
शब्दाकार , दिल्ली .

३. मीडिया लेखन - सिध्दान्त और व्यवहार -
डॉ. चंद्रप्रकाश मिश्र , संजय प्रकाशन , नई दिल्ली .

४. समकालीन हिंदी कहानी - डॉ. अमरसिंह वधान
प्रकाशन संस्थान नई दिल्ली .

प्रथम - सत्र

हिंदी : ऐच्छिक

Course –Code HIN 103 नाटक साहित्य

- उद्देश्य : -

१. साहित्य आस्वादन औरअभिरुचि का परिसंस्कार

२. नाटक साहित्य का अध्ययन

३. जीवन मूल्यों के प्रति आस्था

४ . लेखन तथा भाषण कौशल्य का विकास

- अध्ययन - अध्यापन पद्धति : -

१. व्याख्यान

२. दृक- श्रव्य साधनों का प्रयोग

३. कार्यशाला

४ . स्वाध्याय

अ) बीज पाठयांश : -

१. पाठयक्रमिय नाटकों का कथ्य एवं शिल्पगत अध्ययन

आ)अनुप्रयुक्त पाठयांश

२. नाटक : विधागत स्वरुप एवं विकास

३. नाटक के भेद

४. नाटयानुवाद

५. संवाद - लेखन

- पाठ्य पुस्तकें -

घरौंदा - शंकर शेष -

किताबघर प्रकाशन २४ , अन्सारी रोड , दरियागंज ,नई दिल्ली - ०२

होरी - प्रेमचंद नाट्य रुपान्तर विष्णु प्रभाकर -
राजपाल अॅण्ड सन्स कश्मीरी गेट दिल्ली .

- संदर्भ ग्रंथ -

१. हिंदी विधाएँ - स्वरुपात्मक अध्ययन -
डॉ . वैजनाथ सिंह - हरियाणा साहित्य अकादमी , चंदीगड .

२. नाटयशिल्प - डॉ. सुमनराजे ,
ग्रंथायन प्रकाशन , कानपुर .

३. नाटक तथा रंग परिकल्पना -
डॉ. गिरीश रस्तोगी , विश्वविद्यालय प्रकाशन , वाराणसी .

४.नाटककार शंकर शेष -
डॉ. प्रकाश जाधव , विकास प्रकाशन , कानपुर .

५. रंगमंच का सौंदर्यशास्त्र - देवराज अंकुर
राजकमल प्रकाशन , नई दिल्ली .

द्वितीय - सत्र

हिंदी : द्वितीय भाषा (Second Language)

Course Code : - HIN -104 व्यावहारिक हिंदी (4 Credit)

- उद्देश्य : -

१. हिंदी के व्यावहारिक पक्ष का अध्ययन

२. व्यावहारिक - लेखन कौशल्य का विकास

- अध्ययन - अध्यापन पद्धति : -

१. व्याख्यान

२. स्वाध्याय

- पाठयांश : -

१.) पारिभाषिक शब्दावली , पदनाम एवं संक्षिप्तियाँ -

अ) .पारिभाषिक शब्दावली : स्वरुप एवं विशेषताएँ

आ) . पारिभाषिक शब्दावली

इ) . पदनाम

ई) . संक्षिप्तीकरण एवं संक्षिप्तियाँ

२.) पल्लवन तथा संक्षेपण -

अ) परिभाषा : पल्लवन

आ) पल्लवन और अन्य रचनारुप

इ) . पल्लवन की विशेषताए

ई) . पल्लवन का रचना विधान

३) संक्षेपण -

अ) संक्षेपण - तात्पर्य एवं परिभाषा

आ) संक्षेपण और अन्य रचनारुप

इ) . संक्षेपण - प्रक्रिया अथवा रचना - विधान

ई) आदर्श संक्षेपण की विशेषताएँ

उ) संक्षेपण के भेद

४) लिखित संप्रेषण - पत्राचार -

अ) निजी , वैयक्तिक या पारिवारिक पत्र- लेखन

आ) सामाजिक पत्र लेखन

इ). व्यावसायिक - व्यावहारिक पत्र - लेखन

ई) सरकारी अर्ध्द सरकारी - पत्र लेखन

५) अनुवाद - स्वरुप एवं भेद -

अ) अनुवाद - तात्पर्य एवं परिभाषा

आ) अनुवाद के प्रकार

इ) अनुवाद के गुण

ई) आदर्श अनुवाद का स्वरुप

उ) कामकाजी अथवा कार्यालयी अनुवार

६) कम्प्यूटर में हिंदी का प्रयोग -

अ) कम्प्यूटर - सामान्य परिचय

आ) कम्प्यूटर की उपयोगिता

इ) कम्प्यूटर की संरचना - कम्प्यूटर के अंग

ई) कम्प्यूटर के प्रकार

उ). कम्प्यूटर की प्रोग्रॅमिंग भाषाएँ

उ) कम्प्यूटर में हिंदी का प्रयोग

ए) कम्प्यूटर की पारिभाषिक शब्दावली

- संदर्भ ग्रंथ -

व्यावहारिक हिंदी - डॉ.माधव सोनटक्के
छाया पब्लिसिंग हाउस , औरंगाबाद .

व्यावहारिक हिंदी - रामकिशोर शर्मा
लोकभारती प्रकाशन , इलाहाबाद

प्रयोजनमुलक हिंदी - डॉ. विनोद गोदरे ,
वाणी प्रकाशन , नई दिल्ली .

व्दितीय - सत्र

हिंदी : ऐच्छिक

Course Code : - HIN -105 उपन्यास साहित्य

- उद्देश्य : -

१. साहित्य आस्वादन और अभिरुचिका परिसंस्कार
२. जीवन मूल्यों के प्रति आस्था
३. उपन्यास साहित्य का अध्ययन
४. लेखन तथा भाषण कौशल्य का विकास

अध्ययन - अध्यापन पद्धति : -

१. व्याख्यान
२. दृक - श्रव्य साधनों का प्रयोग
३. कार्यशाला
४. स्वाध्याय

अ) बीज पाठयांश : -

१. '' गबन एवं झूला नट '' उपन्यास का संवेदना और शिल्पगत अध्ययन

आ) अनुप्रयुक्त पाठयांश

२. उपन्यास - विधागत स्वरुप एवं विकास
३. उपन्यास - लेखन कला तथा कथन कला
४. उपन्यास - रुपांतरण
५. उपन्यास - अनुवाद कला

- पाठयपुस्तकें -

गबन - प्रेमचंद , लोकभारत प्रकाशन , इलाहाबाद
झूला नट- मैत्रेयी पुष्पा - राजकमल प्रकाशन
प्रा. लि. नई . दिल्ली

- संदर्भ ग्रंथ -

१. हिंदी विधाएँ - स्वरुपात्मक विकास

डॉ. वैजनाथ सिंह , हरियाणा साहित्य अकादमी, चंदीगड .
२. प्रतिनिधि हिंदी उपन्यास
डॉ. यश गुलाटी,हरियाणा साहित्य अकादमी, चंदीगड .
३. समस्यामूलक उपन्यासकार प्रेमचंद भाग - १,२,
डॉ. महेद्रभ नागर - ज्ञानभारती , दिल्ली .
४. अनुवाद कला , डॉ . भोलानाथ तिवारी , शब्दावली दिल्ली .

व्दितीय - सत्र

हिंदी : ऐच्छिक

Course –Code : - HIN -106 एकांकी साहित्य

- **उद्देश्य : -**

१. साहित्य आस्वादन और अभिरुची का परिसंस्कार

२. नाटक साहित्य का अध्ययन

३. जीवन मूल्यों के प्रति आस्था

४. मंचन तथा अभिनय कौशल्य का विकास

- **अध्ययन - अध्यापन पद्धति : -**

१. संवाद
२. दृक-श्राव्य साधनों का प्रयोग
३. कार्यशाला
४. स्वाध्याय

अ) बीज पाठयांश : - (Core)

१ एकांकी का संवेदनागत शिल्पगत एवं रंगमंचीय अध्ययन

आ) अनुप्रयुक्त पाठयांश -

१. एकांकी - विधागत स्वरुप एवं विकास
२. रेडियो नाटक - शिल्प विधान
३. एकांकी अनुवाद
४. एकांकी लेखन कला

- **पाठयपुस्तके -**

१. सामाजिक एकांकी - डॉ. जी. भास्कर भैया
रुतपाल अॅण्ड सन्स , कश्मीरी गेट, दिल्ली.

२. एकांकी नये पुराने - डॉ. श्रीमती माया सिंह
जयभारती प्रकाशन ,इलाहाबाद .

- संदर्भ ग्रंथ -

१. हिंदी विधाएँ स्वरुपात्मक अध्ययन
डॉ. वैजनाथ सिंह हरियाणा साहित्य अकादमी , चंदीगड .
२. मीडिया लेखन - सिध्दान्त और व्यवहार
डॉ. चंद्रप्रकाश मिश्र - संजय प्रकाशन नई दिल्ली .
३. रेडियो नाटक की कला
राधाकृष्ण प्रकाशन - दिल्ली
४. हिंदी एकांकी की शिल्प विधी का विकास -
डॉ. सिध्दान्तकुमार - इंद्रप्रस्थ दिल्ली .